GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CHEMICALS & FERTILIZERS
DEPARTMENT OF FERTILIZERS

RAJYA SABHA

UN STARRED QUESTION NO. **2894** TO BE ANSWERED ON : **29.03.2022**

Use of non-chemical fertilizers in agriculture

2894. MS. SAROJ PANDEY:

Will the Minister of **CHEMICALS & FERTILIZERS** be pleased to state:

(a) the percentage of agricultural produce for which chemical fertilizers are used in the country and the total annual consumption of all such crops, and
(b) the steps taken by Government to increase the use and production of non-chemical fertilizers ?

ANSWER

MINISTER OF STATE FOR CHEMICALS AND FERTILIZERS
(SHRI BHAGWANTH KHUBA)

(a): As per the data of Input Survey 2016-17, the area under all crops is reported as 192439588 hac out of which an area of 147283856 hac i.e. 76.53 per cent was treated with more than one chemical fertilizer. No data on consumption of crops produced with the use of chemical fertilizers is maintained.

(b): Government has been implementing dedicated schemes Paramparagat Krishi Vikas Yojana (PKVY) and Mission Organic Value Chain Development for North Eastern Region (MOVCDNER) since 2015-16 for promotion of organic farming in the country which encourages use of organic and bio-fertilizer. Financial assistance is provided under organic farming schemes for promoting use of bio and organic fertilizer @Rs. 31,000/ha under Paramparagat Krishi Vikas Yojana (PKVY) and @ Rs. 32,000/ha under Mission Organic Value chain Development for North Eastern Region (MOVCDNER).

Under Soil Health Management (SHM) schemes, financial assistance is provided @ Rs. 160.00 lakh for establishing new bio-fertilizer unit (200 MT/50000 litre capacity). 15 bio-fertilizer production unit has been established under (SHM) so far.

****

भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या **2894**

जिसका उत्तर मंगलवार, 29 मार्च, 2022/8 चैत्र, 1944 (शक) को दिया जाना है।

कृषि में गैर-रसायनिक उर्वरकों का उपयोग

2894. सुश्री सरोज पाण्डेय:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कितने प्रतिशत कृषि उपजों में रसायनिक उर्वरकों का उपयोग होता है और ऐसी सभी फसलों की कुल सालाना खपत कितनी है; और

(ख) सरकार द्वारा गैर-रसायनिक उर्वरकों के उपयोग और उत्पादन को बढ़ाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(भगवंत खुबा)

(क): इनपुट सर्वेक्षण 2016-17 के डाटा के अनुसार सभी फसलों के तहत क्षेत्र 192439588 हेक्टेयर बताया गया है जिसमें से 147283856 हेक्टेयर अर्थात 76.53 प्रतिशत क्षेत्र पर एक से अधिक रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया गया। रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करके उत्पादित फसल की खपत के संबंध में कोई डाटा नहीं रखा जाता है।

(ख): सरकार देश में आर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2015-16 से परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) तथा मिशन आर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट फॉर नॉर्थ ईस्टर्न रीजन (एमओवीसीडीएनईआर) की समर्पित स्कीमों को कार्यान्वित कर रही है जोकि आर्गेनिक और बायो-उर्वरक के प्रयोग को प्रोत्साहित करती है। आर्गेनिक फार्मिंग स्कीमों के अंतर्गत परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) के तहत 31,000 रुपये/हेक्टेयर की दर से और मिशन आर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट फॉर नॉर्थ ईस्टर्न रीजन (एमओवीसीडीएनईआर) के तहत 32,000 रुपये/हेक्टेयर की दर से बायो और आर्गेनिक उर्वरक के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन (एसएचएम) स्कीमों के तहत, नई बायो-उर्वरक इकाई (200 एमटी/50000 लीटर क्षमता) को स्थापित करने के लिए 160.00 लाख रुपये की दर से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। अभी तक एसएचएस के तहत 15 बायो-उर्वरक उत्पादन इकाई स्थापित की गई हैं।

****